

Fourteenth Loksabha

Session : 8

Date : 03-08-2006

Participants : Mallikarjunaiah Shri S.

an>

Title : Atrocities on Scheduled Castes/Scheduled Tribes.

SHRI S. MALLIKARJUNIAH (TUMKUR): Sir, I thank you for giving me this opportunity to raise a very important issue. The number of atrocities on harijans is increasing very rapidly year after year. It is shocking to know the figures of atrocities particularly between 2000 to 2006. The latest figures have been given by the National Commission for Scheduled Castes. It was 38,000 during 2004. These are the cases that have been registered by police. The actual number of cases would be something like one lakh each year.

The reservation policy has not been implemented and that is one of the reasons for the increase in the number of atrocities on harijans. The reservation Bill is pending before the Parliament for the last two years. I hope that the Centre would pass this Bill at the earliest.

I request the Centre to take stringent measures against the culprits who are indulging in these atrocities and enable the Scheduled Caste people to lead a peaceful and honourable life.

I thank you, Sir, and conclude my speech.

MR. SPEAKER: Shri Devendra Prasad Yadav, do not try to pressurise the Chair, please; already there is enough trouble.

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : अध्यक्ष महोदय, चेयर के नियमन का अनुपालन जितने माननीय सदस्य करते हैं, मैं समझता हूँ कि उनमें से मैं एक हूँ। अभी चेयर के आदेश से कहा गया कि कोका कोला वाले इश्यू पर सभी राष्ट्रीय नेता बोलेंगे। मैंने प्रॉपर ढंग से यह नोटिस दिया है। ...(व्यवधान)

* Translation of the speech originally delivered in Kannada

अध्यक्ष महोदय : आप सुनिये। Because you are raising a question, you have given a notice; you have given another notice.

आपने अपना नोटिस साढ़े नौ बजे के बाद दिया है।

...(व्यवधान)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : नियम के अनुसार वह नोटिस अमान्य होगा और यह नोटिस मान्य होगा।...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Therefore, knowingly you have given a notice which should be rejected.

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : वह नोटिस रिजैक्ट हो जायेगा, ठीक है लेकिन जो नोटिस टाइम पर दिया है, उसे तो आप सुनिये। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : ठीक है, आप बोलिये।

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : आपके पास टाइम नहीं है, तो मैं नहीं बोलूंगा।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप बोलिये। हमने आपसे रिक्वेस्ट की है।

...(व्यवधान)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : अध्यक्ष महोदय, मैं कभी भी हाउस को डिस्टर्ब नहीं करता। चेयर से बार-बार प्रतिक्रिया आ रही है। मैं आज तक एक अनुशासित सांसद के रूप में काम करता रहा हूं।...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: I acknowledge that you are a very disciplined Member, except today.

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : आपने लेकुना लगा दिया है। ...(व्यवधान) मैं यहां नहीं बोलना चाहता। इस पर अलग से बात कर ली जाये। ...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: I have high regard for you. You know that. We are colleagues for years.

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : सदन में बिहेवियर पर बोलना, हर चीज पर कमेंट्स करना उचित नहीं है। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : हमने आपको बहुत आदर से बुलाया है। आप बोलिये।